

शिमशोन रै साथै परमेश्वर



Bangani

शिमशोन रै साथै परमेश्वर

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें।

उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें शिमशोन के साथ परमेश्वर उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



कुछ दूस बासियै शिमशोन एक बाकरी रौ चेळटू
गिणियौ आपड़ै ससुराल खि डैऔ। जौ सेउ तेत्कै
पौइंचौ तै तेसकै पौतौ लागौ, कि तेसरी छेउडि रि
शादी कासी ओर माणछै रै साथै कौरी गोइ थी।
एज़ी बौजै कौइ तेस बौरी रोश लागौ। तैबै सेउ डैऔ
औज़ि चीन शौ शियाळटै पाकडै।



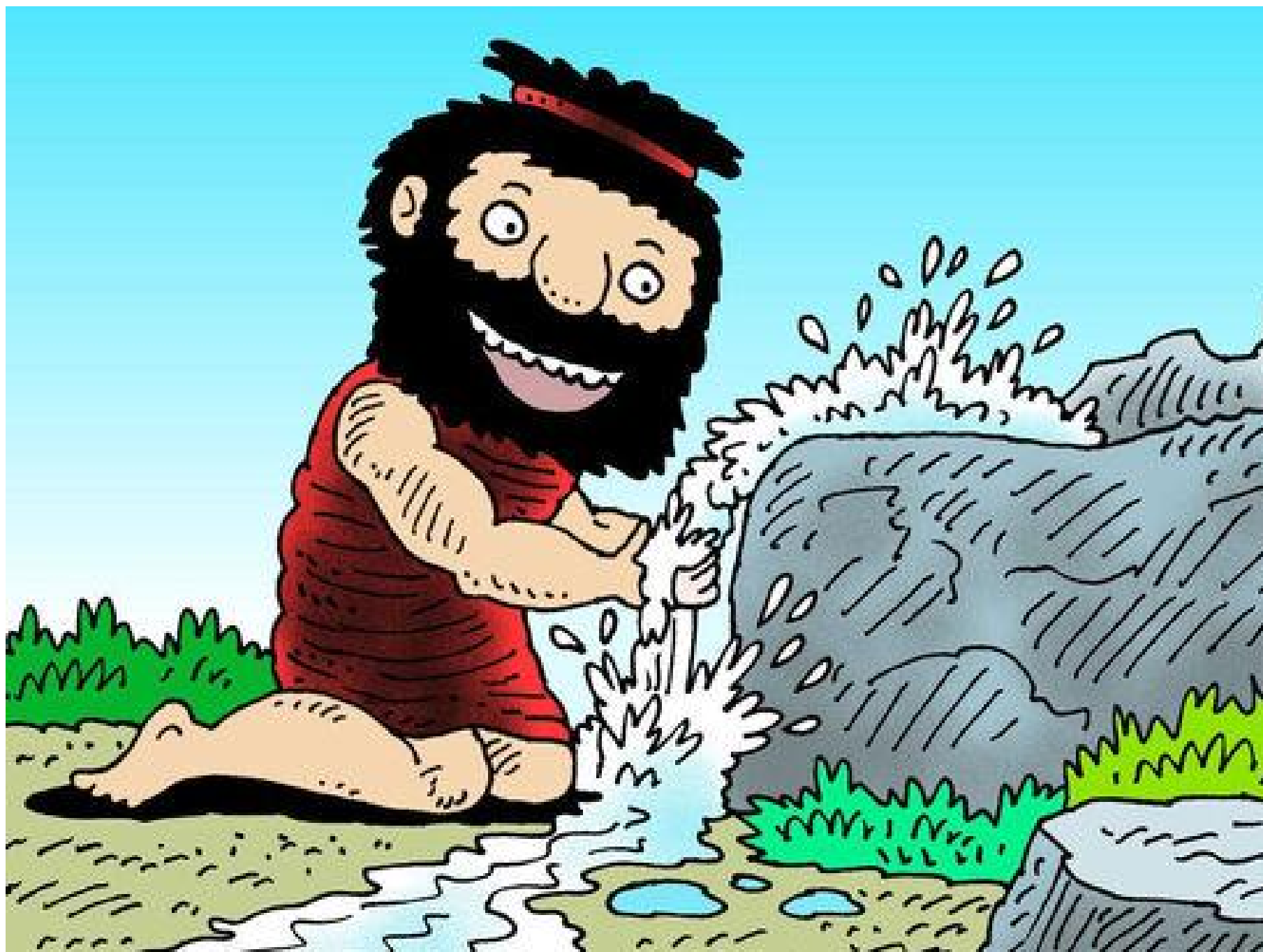
औज़ि दुइ – दुइ शियाळटौउं रै पुंज़डै रै बिच्चे दि एक
– एक बिन्डियाळौ बनौ, तैबै तिउं बिन्डियाळे दि
आग लाइयौ सै शियाळटै पलिश्तिउं रै डोखरौउं दि
छाड़ै, ज़ेसकौइ पलिश्तिउं रि सारी फसल ज़ौळी
मौरी, तैबै तिउंके पौतौ लागौ कि एऊ शिमशोनेइ
कियौ। एज़ी बौज़ै कौइ तिउं तेसरौ ससूर औज़ि
तेसरी छेउड़ ज़ौळाइ देणै।



तैबै शिमशोनेइ सै लोग पोरु जांगै, तैबै सेउ डोळै रै
बिच्चे दि पौड़ियौन्दि तिडु दि रौन्दै लागौ, तैबै
पलिशती लोग इस्राइली लोगु रै साथै ज़ुटिन्दै आयै,
तैबै तिउं पलिशितउं रै साथै बोलौ, कि तुमै
आमुवारी केला ज़ुटियैण? तिउं बोलौ शिमशोन
बानणेखी। तैबै इस्राइली लोग शिमशोन कार्ड डै,
औज़ि बोलौ, आमै ताऊं पाकड़ियौ पलिशितउं
कै देइ।



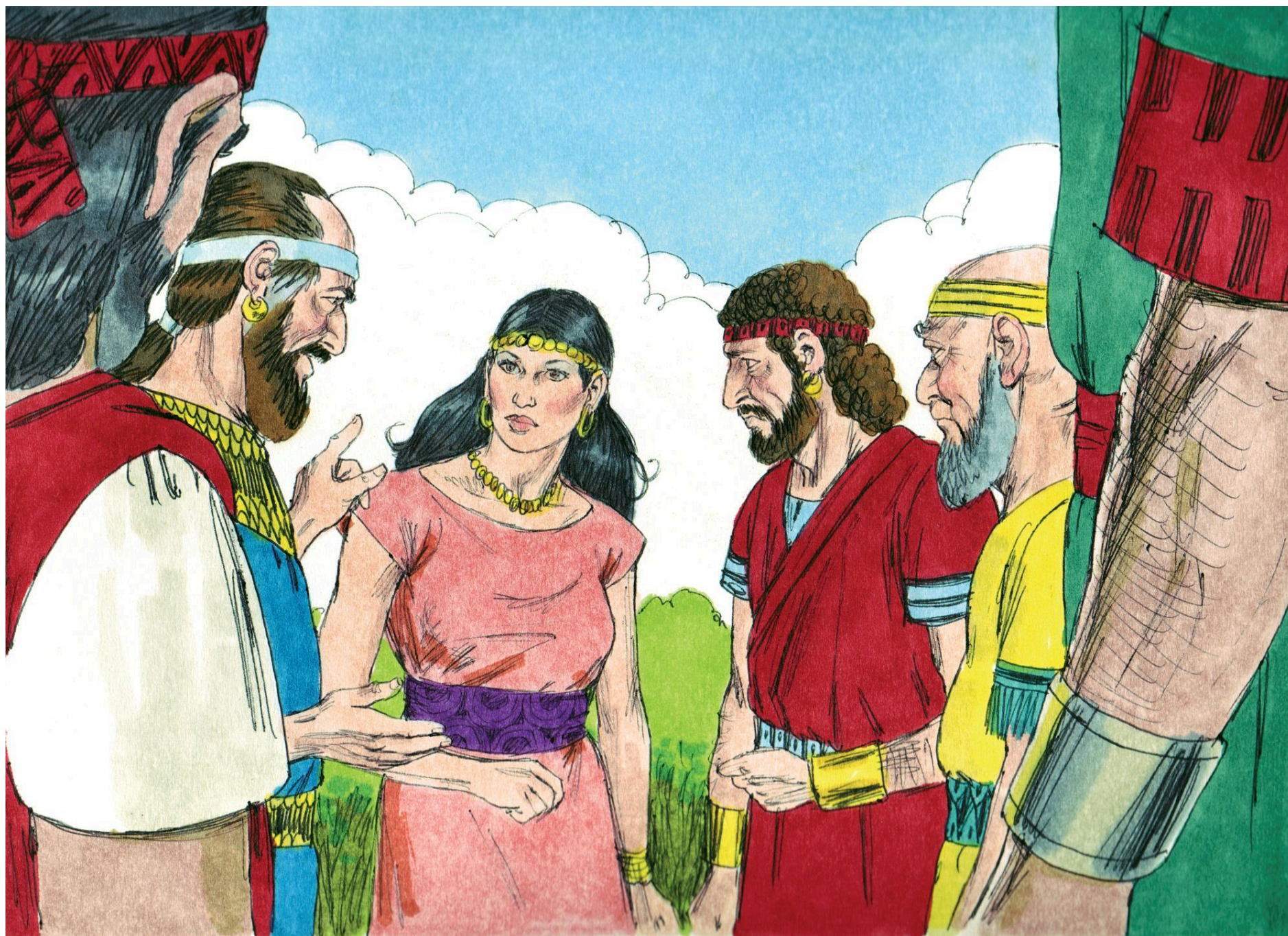
तैबै तिउं सेउ दुइ नौइ लोळिटउं कौइ बानियौ नियौ,
औज़ि ज़ौ सेउ पलिशितउं कार्ड पौइंचौ, तैबै परमेश्वर
रौ आत्मा तेस दि बल रै साथै डैऔ, औज़ि तेसरी
आथे रि लोळिटयै गौळियौ पोरु चूटी, तैबै तिणी
गादे रि ज़ौमियाळी कौइ एक औज़ार लोग जांगै।



तैबै तेस बौरी चीश लागी, और सेउ परमेश्वर खि
औटाउवौ, तैबै परमेश्वरेइ एक ऊखुळ ज़ांइ एक
गडौ कियौ, औज़ि तेसकौइ पाणि आन्दै लागौ। तैबै
शिमशोनेइ पाणि पियौ, तेस पियौ तेस दि ज़ान आइ
तैबै शिमशोनेइ तेस सोतै रौ नौऊँ एनहकोरे थौ।



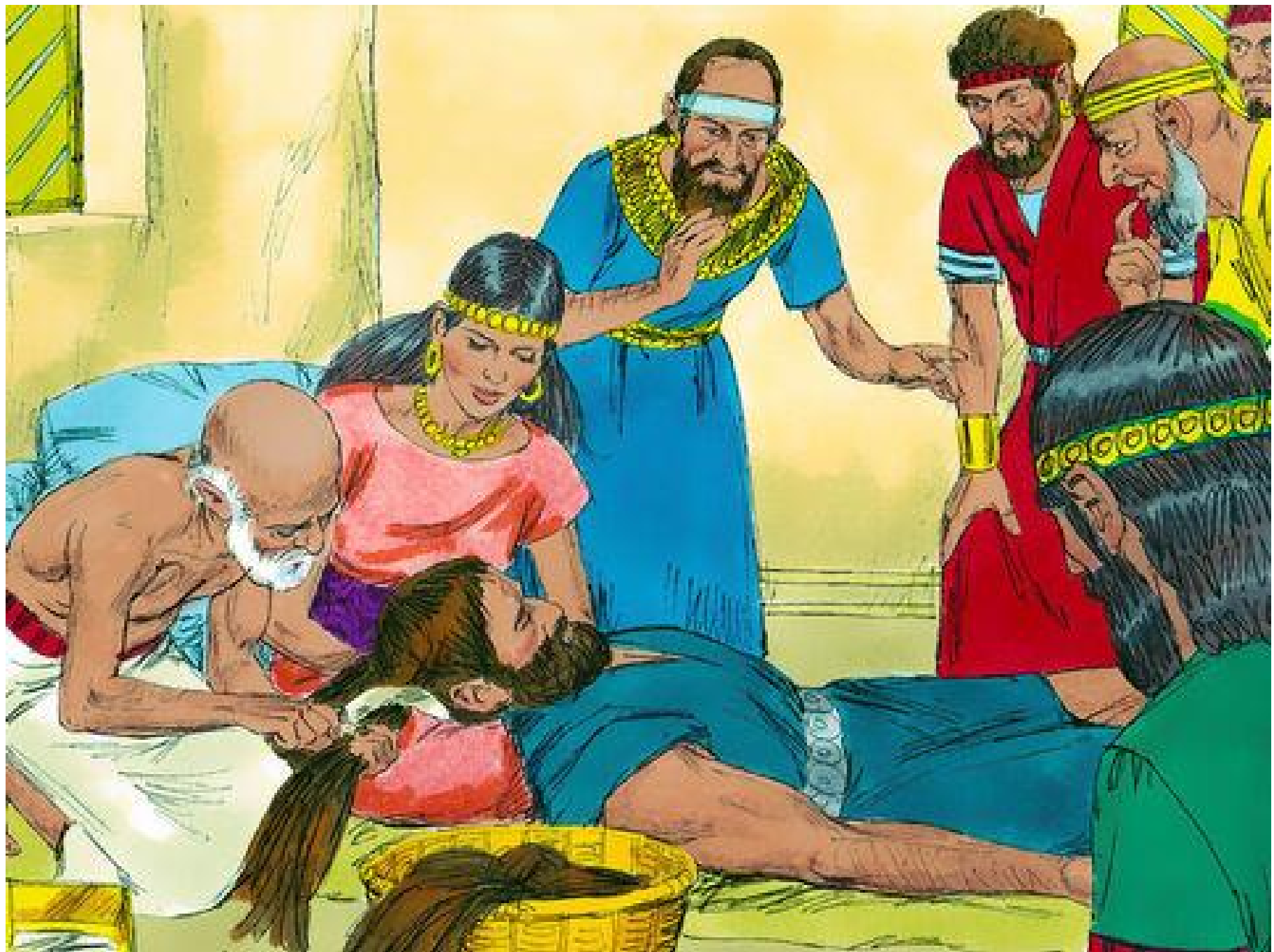
एक रात शिमशोन गाज़ा शैर दि थौ, तैबै पलिशित
तेस शैर रै गेट काई तेसरौ इन्तज़ार कौरदै लागै।
ताकि तेस पोरु जांगी लै, पर शिमशोन आदि रात
बिऊज़ौ औज़ि शैर रै गेट पोरु गाड़ौ, औज़ि सेउ
आपड़ै कान्दै माइं टिपियौ हेब्रोन काई एक डान्दै
माइं थौ।



कुछ दूस बासियै शिमशोन दलीला नौऊँ रि लौड़की
कौइ प्यार कौरदै लागौ, तैबै पलिशितुँ रै बौड़ै –
बौड़ै लोगु दलीला आरी बोलौ, जौ तू शिमशोन री
ताकत रौ पौतौ कौरियौ आमुवारी बोलै ली, तै आमै
ताऊँकै इनाम दि गियारा – गियारा शौ चाँदी रै
सिक्कै देइ, तैबै दलीला शिमशोन कौइ तेसरी
ताकत रि बेद पुछ्छिदि लागी।



दलीलाइ शिमशोन कौइ बौरी बैरै पुछौ औज़ि
शिमशोनेइ दुजी बुशै बोलियौ पोरु टाळी, ज़ौ सेउ
तिंरी बुशै कौइ परेशान उवौ, तैबै शिमशोनेइ तिंयारी
सौच़्ची बुशै बोली देणी, औज़ि तिणी बोलौ ज़ेत्रा
मेरौ जनम उवौ, तेत्राइ कौइ आउँ परमेश्वरेइ
आपड़ौ खास सेवक छ़ाँटौन्दौ। औज़ि एत्रा ज़ौउँ मेरै
मुन्दै रै बाळ बि ना थौ काटी। ज़ौ मेरै बाळ काटै लै
तै मेरी ताकत खतम औयै।



तैबै तियै शिमशोन सुताळौ, औज़ि चोरियौ तेसरै
बाळ काटी देणै, औज़ि तेसरी ताकत खतम उइ, जौ
शिमशोन रि नीज थौरकी तै तिणी देखौ कि तेसकै
औगौणिये रि ज़ांइ ताकत ना रौइ तेसकै पौतौ ना
नौथि थौ कि परमेश्वर तेसकाइ कौइ पोरु डेइ
गो, पलिशितुँ सेउ पाकड़ौ औज़ि तेसरी आखै
बानी देइ।



औज़ि सेउ ज़ेल दि पाइ देणौ, औज़ि सेउ तेत्कै
जान्जौ फिरान्दै लागौ। एक दूस चीन औज़ार
पलिशती लोग एक ज़ागा दि कौट्ठै उवै, तेत्कै तिउं
शिमशोन औटाऔ, ताकि तेसरौ मौज़ाक उड़ाइ लै,
सेज़ै बौक्ते दि शिमशोन रै बाळ दुजाळियै ज़ौमी
गोए थै, तैबै शिमशोनेइ तेस लौड़कै आरि बोलौ
ज़िणी सेउ पाकडौन्दौ थौ, कि मूँ इऊँ खौम्बौउँ छुणै
दै ज़ेसमाइं गौर चाणौन्दौ।



तैबै शिमशोनेइ परमेश्वर कौइ प्राथना की, तु मुकै
ताकत दै ज़ेसकौइ आउं पलिशितउं कौइ आपड़ै
दुइयां आखौउं रौ बौदलौ नी सौकु, तैबै शिमशोनेइ
सै खौम्बै छुऐ ज़िऊमाइं गौर थौ टिकौन्दौ, पूरौ ज़ोर
लाइयौ दाकौ देणौ, ज़ेसकौइ खौम्बै पोरु चुटै,
औज़ि पूरौ गौर डौळौ औज़ि तेत्कै सारै पलिशित
लोग दौबियौ पोरु मौरै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.